Hn – संकीर्ण दरवाजे से प्रवेश करें लूका १३:२२-३० | 1

– Save This Page as a PDF–

संकीर्ण दरवाजे से प्रवेश करें

लूका १३:२२-३०

खुदाई: येशुआ कैसे तय करता है कि संकीर्ण दरवाजे से कौन बाहर निकलेगा और कौन नहीं? यदि ईश्वर चाहता है कि सभी प्रकार के लोग उसे जानें, तो उसका द्वार व्यापक क्यों नहीं है? लूका के संदर्भ में, बाहर वाले कौन हैं (लूका ११:२३, ३७-५३, और १२:९, २१, ४५-४६, और १३:३)? मसीहा के साथ खाना-पीना पर्याप्त क्यों नहीं है?

चिंतन: आप कैसे जानते हैं कि आप राज्य के अंदर हैं या बाहर? आप अंदर कैसे आएंगे (लूका ११:९, १२:३१-३२)? आप किसके लिए प्रार्थना कर रहे हैं जो अभी तक राज्य में नहीं है? क्या आपके पास “दस सर्वाधिक वांछित” प्रार्थना सूची है? अंत में, क्या आपको लगता है कि केवल कुछ, बहुत से या सभी लोगों को बचाया जाएगा? क्यों? आपका प्रमाण क्या है?

यह खंड यीशु की त्ज़ियोन की यात्रा के सारांश से शुरू होता है। फिर मसीह येरूशलेम की ओर जाते हुए उपदेश देते हुए नगरों और गांवों से होते हुए गए (लूका १३:२२)। गलील के रब्बी ने यरूशलेम की कई यात्राएँ कीं, लेकिन लूका ने अपनी बात समझाने के लिए उन्हें दूरबीन से देखा कि प्रभु को खुद को मसीहा के रूप में प्रस्तुत करने के लिए त्ज़ियोन के पवित्र शहर में जाना होगा। निम्नलिखित का विषय एक प्रश्न द्वारा दिया गया है। भीड़ में से किसी ने उनसे पूछा, “सर, क्या केवल कुछ ही लोग बचेंगे” (लूका १३:२३)? यीशु की प्रारंभिक शिक्षाओं में यह निहित है (देखें Dw – संकीर्ण और चौड़े द्वार)। जिस यहूदी संदर्भ में यह प्रश्न पूछा गया था, उसके आलोक में हमें इसका अर्थ यह समझना चाहिए, “हे प्रभु, जब मसीहा का राज्य आएगा, तो क्या केवल कुछ ही लोग इसमें प्रवेश करेंगे?” प्रभु ने सीधे प्रश्न का उत्तर नहीं दिया, बल्कि इसके बाद पूरी भीड़ को चेतावनियाँ दीं।



उसने उनसे कहा: (मुक्ति के) संकीर्ण द्वार से
प्रवेश करने का हर संभव प्रयास करो, क्योंकि मैं तुमसे कहता हूं, बहुत से लोग प्रवेश करने का प्रयास करेंगे और जबरदस्ती दरवाजा नहीं खोल पाएंगे। एक घर को

Hn – संकीर्ण दरवाजे से प्रवेश करें लूका १३:२२-३० | 2

रात के लिए सुरक्षित बनाए जाने की सादृश्यता का उपयोग करते हुए, मसीह ने कहा कि एक बार जब घर का मालिक उठकर दरवाजा बंद कर देगा, तो आप बाहर खड़े होकर खटखटाएंगे और विनती करेंगे, “सर, हमारे लिए दरवाजा खोलो।” परन्तु वह उत्तर देगा, “मैं तुम्हें नहीं जानता, तुम कहाँ से आये हो।” एक संक्षिप्त और अतार्किक उत्तर से दलील छोटी हो जायेगी। तब तुम कहोगे, हम ने तुम्हारे साय खाया पिया, और तुम ने हमारी सड़कोंमें उपदेश किया। उनके श्रोताओं में संभवतः ऐसे कई लोग मौजूद थे जिन्होंने उनके साथ भोजन किया और नाज़रेथ के भविष्यद्वक्ता के उपदेश और शिक्षा का पालन किया। लेकिन उनके उद्धार के संदेश को अस्वीकार करने से, वे अंतिम दिन में भयानक घोषणा सुनेंगे: मैं तुम्हें नहीं जानता या तुम कहाँ से आए हो। हे सब कुकर्मियों, मुझ से दूर हो जाओ (लूका १३:२४-२७)! जिन लोगों ने उसे अस्वीकार किया उन्हें उसके राज्य से बाहर कर दिया जाएगा। उनकी निंदा दुष्टों, वस्तुतः अधर्मी के रूप में की जाएगी।

तब येशुआ ने सीधे बात करते हुए भीड़ से कहा कि उन लोगों पर न्याय आएगा जिन्होंने उसके संदेश को अस्वीकार कर दिया है। वहाँ रोना होगा, और दाँत पीसना होगा (अनन्त न्याय की भयावहता का प्रतीक), क्योंकि उन्हें भारी पश्चाताप का अनुभव होगा। इसलिए निराशा की भावना होगी जब आप इब्राहीम, इसहाक और याकूब (इज़राइल का प्रतीक) और सभी भविष्यवक्ताओं को परमेश्वर के राज्य में देखेंगे, लेकिन आपको खुद को बाहर निकाल दिया जाएगा, यानी राज्य में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी (लूका १३:२८). ये टिप्पणियाँ मसीह के श्रोताओं के लिए क्रांतिकारी थीं। उनका मानना था कि चूंकि वे शारीरिक रूप से इब्राहीम से संबंधित थे, इसलिए वे स्वचालित रूप से वादा किए गए राज्य में प्रवेश करेंगे।

यीशु उन लोगों को जगाने की कोशिश कर रहे हैं जो सोचते हैं कि उनके अच्छे काम, या उनका यहूदी होना, उन्हें ‘ओलम हाबा’ या आने वाली दुनिया में प्रवेश की गारंटी देगा। न केवल मसीहाई यहूदी धर्म में, बल्कि पारंपरिक यहूदी धर्म में भी, उस धर्मशास्त्र के लिए कोई आशा नहीं है। यह सच है कि मिश्ना कहता है, “सभी इस्राएल का ‘ओलम हाबा’ में हिस्सा है” (सैन्हेद्रिन १०:१, रोमियों ११:२५-२६ में अधिक पूर्ण रूप से उद्धृत)। लेकिन बाद की सामग्री में, जिसमें इस्राएलियों की कई श्रेणियों को ‘ओलम हाबा’ से बाहर किए जाने का नाम दिया गया है, यह स्पष्ट करता है कि इस घोषणा का अर्थ यह है कि यद्यपि सभी इस्राएलियों के पास एक विशेष अवसर है (जैसा कि रब्बी शाऊल ने इसे रोमियों ३:१ में कहा है १ और ९:४-५, एक लाभ), आने वाली दुनिया में साझा करने के लिए, वे अपनी बुलाहट पर खरा न उतरने के कारण इसे खो सकते हैं। जबकि किसी भी प्रकार का यहूदी धर्म उन लोगों को आशा प्रदान नहीं करता है जो आशा करते हैं कि एडोनाई पर भरोसा किए बिना उनके पापों को नजरअंदाज कर दिया जाएगा, केवल मसीहाई यहूदी धर्म मसीह में विश्वास की सामग्री प्रदान करता है जो पाप की समस्या का समाधान करता है।

हालाँकि, येशुआ के अगले शब्द उन लोगों के लिए और भी अधिक क्रांतिकारी, वास्तव में

Hn – संकीर्ण दरवाजे से प्रवेश करें लूका १३:२२-३० | 3

विनाशकारी थे, जिन्होंने यह मान लिया था कि केवल यहूदी ही मसीहाई साम्राज्य में शामिल होंगे। मास्टर ने समझाया कि गोयिम, अन्यजातियों को राज्य में जोड़ा जाएगा। विभिन्न जातीय समूहों का प्रतिनिधित्व करने वाले लोग पृथ्वी के चारों कोनों से आएंगे। पूर्व और पश्चिम और उत्तर और दक्षिण से, और परमेश्वर के राज्य में पर्व में अपना अपना स्थान ग्रहण करेंगे (लूका १३:२९)। इस शिक्षा से मसीहा के शब्दों को सुनने वालों को आश्चर्य नहीं होना चाहिए था क्योंकि भविष्यवक्ताओं ने अक्सर यही बात कही थी। हालाँकि, यीशु के समय में यहूदियों का मानना था कि अन्यजाति उनसे नीच थे। जब यीशु ने नाज़रेथ में अपना मंत्रालय शुरू किया, तो अन्यजातियों को शामिल करने की उनकी शिक्षा ने यहूदियों को इतना क्रोधित कर दिया था कि उन्होंने उसे मारने के लिए पत्थर उठा लिए (देखें Ch – प्रभु की आत्मा मुझ पर है)।

यहूदी लोग अपने आप को हर तरह से प्रथम मानते थे, लेकिन वे अंतिम होते, अर्थात, यदि वे व्यक्तिगत रूप से उनकी शिक्षा को स्वीकार नहीं करते, तो वे राज्य से बाहर हो जाते। इसके विपरीत, कुछ विश्वास करने वाले अन्यजातियों, जिन्हें उनके द्वारा अंतिम माना जाता है, का परमेश्वर के राज्य में स्वागत किया जाएगा और वे वास्तव में महत्व में पहले स्थान पर होंगे। सचमुच जो अन्तिम हैं वे पहले होंगे, और जो पहिले हैं वे अन्तिम होंगे (लूका १३:३०)।